

भ्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii) प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

204

204

नई बिल्ली, शुक्रवार, अप्रल 14, 1972/जैत्र 25, 1894

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 14, 1972/CHAITRA 25, 1894

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में एखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance) CORRIGENDA

INCOME-TAX AND WEALTH-TAX New Delhi, the 14th April, 1972

- **S.O.** 293(E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), No. S.O. 59(E), dated the 21st January, 1972, published at pages 155-159 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 21st January, 1972.—
 - (1) at page 156, in column (3) of the Schedule,—
 - (a) in line 1, for "distance of 8 Kms. a 1 directions" read "distance of 8 Kms. in all directions";
 (b) in line 13, after "Nana Maya Road" insert",";
 (c) in line 21, for "ditections" read "directions";
 (d) in line 32, for "dist ce" read "distance";

 - (2) at page 157, in column (3) of the Schedule,—

 - (a) In line 4, after "upto" insert "a";
 (b) In line 8, for "Corporation limit" read "Corporation limits";
 (c) In line 14, for "corporation limits" read "Corporation limits";
 (d) In line 13, from bottom. for "Kuttampuli" read "Kuttampull";
 - (3) at page 157, in column (2) of the Schedule, for "Tiruchirapal" read "Tiruchirapalli";
 - (4) at page 158, in column (3) of the Schedule,—
 - (a) in line 19, for "Sated" read "dated":
 (b) in line 25, for "act" read "Act";
 (c) in line 29, insert "." at the end;

- (5) at page 159, in column (3) of the Schedule.—
 - (a) in line 1, for "Kharbuia" read "Kharbuja";(b) in line 8, for "Great r" read "Greater".

[No. 76 F. No. 131(36)/70-TPL (pt).] R. D. SHAH, Addl. Secv.

वित मंत्रालय

(राजस्य ग्रीर बीमा विभाग)

णुद्धि-पन्न

नई दिल्ली, 14 भ्रप्रैल, 1972

का बा 293 (भ).-दिनांक 21 जनवरी, 1972 के भारत के राजपन्न, भ्रसाधारण के भाग-II, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित श्रधिसूचना का० श्रा० 59 (ξ) में निम्नलिखित संशोधन किये जाएं:---

- पुष्ठ 159 पर ग्रंतिम पैराग्राफ की चौथी पंक्ति में "सम्पूक्त" के स्थान पर "सम्पक्त" पढा जायगा ।
- इसी पैराग्राफ की छठी पंक्ति में "तस्थानी" के स्थान पर "तस्थानी" पड़ा जायगा ।
- 3. पुष्ठ 161 मनुसूची के कालम (3) की मद (Viii) में "लागार केइल" के स्थान पर "मलागारकोइल" पढा जायगा।
- 4. इसी पृष्ठ पर कालम (3) की मद (Xii) की तीसरी पंक्ति में "दूर" के स्थान पर "दूरी" पढ़ा जायगा ।
- 5. पुष्ठ 162 पर कालम (3) के अन्तर्गत 16वां नाम "पूद्रकी इटाई" के स्थान पर "पूर्वकोटटाई" पढा जायगा ।
- 6. पुष्ठ 164 पर कालम (3) के अन्तर्गत 19वां नाम "राखा नागवागी" के स्थान पर "राख नागवानी" पढा जायगा ।

[सं० 76/एफ० सं० 131(36)/70-टीपी एल (पीटी)] मार० डी० शाह, ग्रपर सचिव।